संजीवनी परियोजना के अन्तर्गत परियोजना क्षेत्र के मुसहर बस्ती समुदाय में एनिमिया की स्थिति का एक तुलनात्मक विवरण

परियोजना क्षेत्र– 15 पुरवा

ब्लाक– चकिया

जिला– चन्दौली

प्रदेश– उत्तर प्रदेश

जुलाई 2023 व अप्रैल–2024

1. संस्था की पृष्ठिभूमि–

Rural Organization for Social Advancement - "ROSA" एक समाज सेवी संस्था है। संस्था उत्तर प्रदेष के पूर्वी जिलों में विगत 20 वर्षो से जनहित में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। संस्था चन्दौली, आजमगढ़, गाजीपुर और बलरामपुर में निःषुल्क स्वास्थ्य एवं पोशण, शिक्षा जागरूकता, आजीविका हेतु सहायता, बाल संरक्षण पर बचावात्मक पहल, राहत सहायता, बालिका व महिला सषक्तिकरण, प्रवासी मजदूर के विकास की पहल, कुपोषित बच्चो को प्रतिदिन पोषण, स्वास्थ्य शिविर, महिला व बाल स्वास्थ्य व परामर्श के साथ युवाओ को रोजगार आदि के मुद्दे पर ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य कर रही है।

उत्तर प्रदेश के आकांक्षी जिला चन्दौली के विकास खण्ड चकिया के 11 ग्राम पंचायतों के 26 गांवों में स्वास्थ्य व पोषण के मुददे पर चाइल्ड राइट एंड यू, नई दिल्ली के सहयोग से अप्रैल 2017 से कार्य करती आ रही है।

2. अध्ययन के बारें में–

काई की ओर से परियोजना क्षेत्र में 11 से 18 साल के किशोरी बालिकाओ के एनिमिया जांच के लिये पहल किया गया। संजीवनी परियोजना में कुल 703 किशोरियों की खून के सैम्पल लेकर मानक के आधार पर मिलान कर परिणाम को मापा गया। इस पहल का उददेश्य बच्चो के बेहतर स्वास्थ्य के लिये किशोरी बालिकाओं के बेहतर बनाना है ताकि एक स्वस्थ्य मां के रूप में बालिकायें अग्रसर हो सके।

3. अध्ययन की प्रकियाः–

परियोजना ने अप्रैल 2024 दौरान परियोनजा कार्यकर्ताओं के द्वारा क्षेत्र में शिविर लगाकर बालिकाओं की एनिमिया की जांच करने और उनकी स्थिति की जानकारी के लिये एक प्रयास किया। कुल 703 किशोरियों की होमोग्लोबिन जांच की गयी।

किशोरी बालिकाओं में एनिमिया की स्थिति

क्षेत्र में एनिमियां की स्थिति अप्रैल 2024 सभी वर्ग की किशोरियां

हम चार्ट के आधार पर पाते है कि इस प्रक्रिया में सभी समुदाय के बालिकाओं की भागीदारी रही है। इसलिये इस चार्ट के आधार पर हम कह सकते है कि किशोरी बालिकाओ 11 प्रतिशत किशोरियां अति गंभीर रूप से एनिमिक है। 67 प्रतिशत बालिकायें मध्यम दर्जे की एनिमिक है।

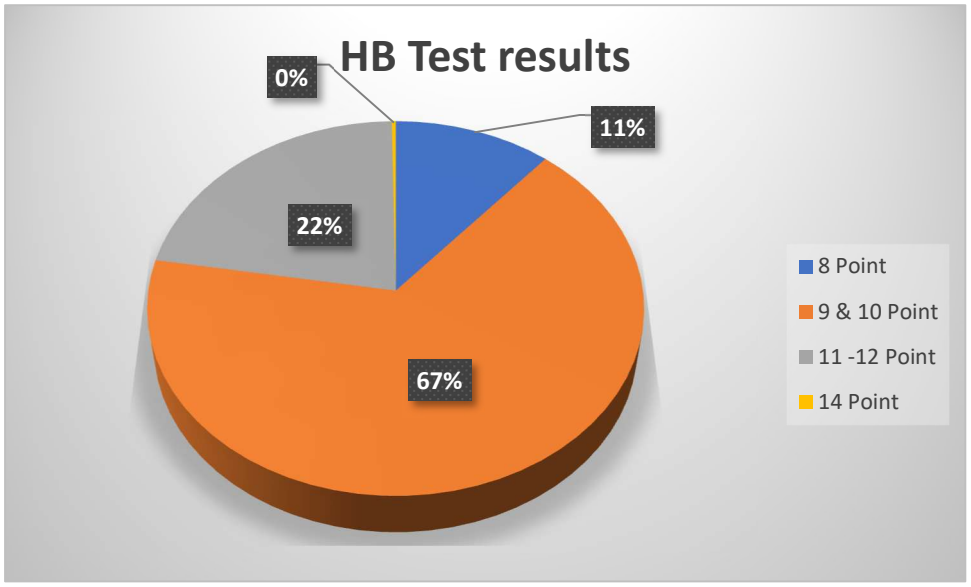

22 प्रतिशत बालिकायें हल्का एनिमिक है। सामान्य स्तर पर सिर्फ 02 ही बालिकायें पायी गयी। यह एक गंभीर चिन्ता का विषय है कि किशोरी बालिकायें एनिमिया से पीड़ित है।

मुसहर समुदाय के किशोरी बालिकाओं में एनिमियां की स्थिति– जुलाई –2023 मुसहर समुदाय की किशोरियां

इस प्रक्रिया में मुसहर समुदाय के बालिकाओं की भागीदारी अधिकतम है। इसलिये इस चार्ट के आधार पर हम कह सकते है कि मुसहर समुदाय के 13 प्रतिशत किशोरियां अति गंभीर रूप से एनिमिक है। 74 प्रतिशत बालिकायें मध्यम दर्जे की एनिमिक

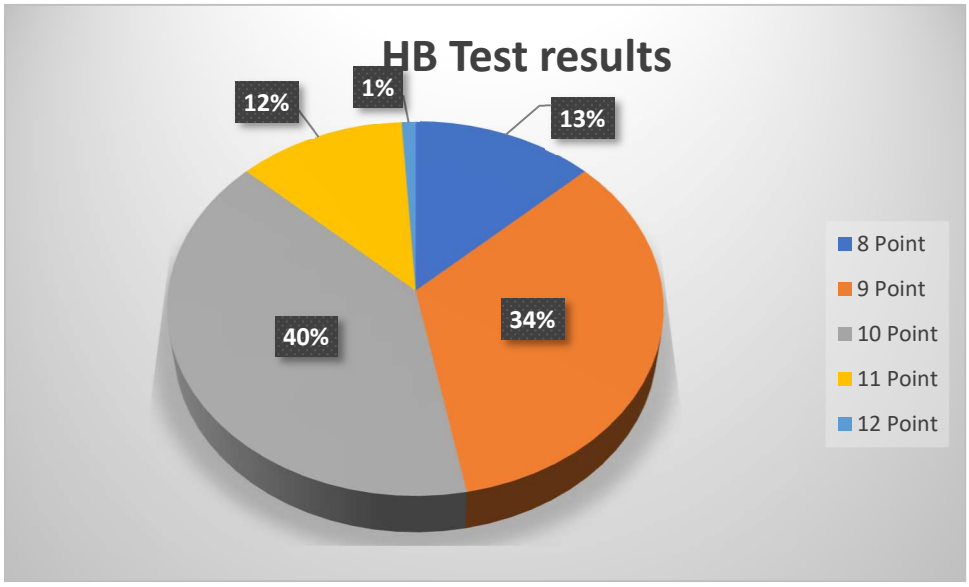

है। 13 प्रतिशत बालिकायें हल्का एनिमिक है। सामान्य स्तर पर कोई भी बालिकायें नही पायी गयी। यह एक गंभीर चिन्ता का विषय है कि मुसहर समुदाय में शतप्रतिशत बालिकायें एनिमिया से पीड़ित है। सामाजिक परम्परा के अनुसार 18 साल से कम आयु में शादियां हो जाती है। 100 किशोरियों मे से एक किशोरी 9 माह की गर्भवती पायी गयी है। जिसका परिणाम इन्हे जीवन भर स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं के साथ रहना होता है।

निष्कर्षः–

उपरोक्त दोना पाई चार्ट के आधार पर हम पाते है कि 18 साल से कम आयु के किशोरी बालिकायें एनिमिया से पीड़ित है। अति गंभीर, हल्का गंभीर, मध्यम दर्जे के कुछ प्रतिशत में अन्तर है लेकिन अगर कटेगरी के आधार पर देखें तो पाते है कि किशोरियों दोनो ही चार्ट में एनेमिक है। इस आधार पर हम कह सकते है कि उस क्षेत्र में रहने वाले परियोजना के लक्ष्य सभी समुदाय की किशोरियां एनेमिक है। इस मुददे पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श करने प्लान करना चाहियें ताकि चिकित्सकीय मानक और सटीक प्रयाय सुनिश्चित किया जा सके।

भवदीय,

मुश्ताक अहमद

मुख्य कार्यकारी

28 मई 2024